प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण का सफल आयोजन

पन्तनगर। 09 दिसम्बर 2023। विश्वविद्यालय के समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 'उन्नत मत्स्य पालन तकनीक' विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन दिसम्बर 06–09, 2023 तक किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड डा. जय प्रकाश जायसवाल ने प्रतिभागियों से कहा कि कृषक अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार लघु अथवा वृहद स्तर पर मत्स्य पालन तकनीक अपनाकर अपनी आय में पर्याप्त बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। कुछ विशिष्ट मछलियों की प्रजाति जैसे ट्राउट का उत्पादन कर आर्थिकी में कई गुना वृद्धि सम्भव हो सकती है। विश्वविद्यालय तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु सदैव कृषकों के साथ खड़ा रहेगा। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं समेटी समन्वयक ने प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक समेटी तथा उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा मत्स्य पालन : एक लाभकारी व्यवसाय, ठण्डे जल में मछली पालन, मत्स्य बीज उत्पादन एवं संचय, मत्स्य पालन में प्राकृतिक एवं कृत्रिम आहार व्यवस्था, तालाबों की जलीय गुणवत्ता, मत्स्य रोग एवं निदान, पालने योग्य मछलियां एवं उनकी पहचान, मत्स्य तालाब का निर्माण एवं देख–रेख, मत्स्य पालन में विभिन्न प्रकार के जालों का प्रयोग, मत्स्य निकासी एवं विपणन, एक्वेरियम निर्माण एवं रंगीन मछली पालन, समन्वित मत्स्य पालनः लघु कृषकों हेतु आय का साधन, मत्स्य पालन की अभिनव तकनीकें, मत्स्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तथा मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती इत्यादि के बारे में व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण के समापन सत्र में कार्यवाहक निदेशक प्रसार शिक्षा डा. आर.के. शर्मा, संयुक्त निदेशक प्रसार, डा. संजय चौधरी ने प्रशिक्षण संबंधी बहुमूल्य विचार रखें। वक्ताओं ने मत्स्य पालन विधा कृषकों के आजीविका का आधार बताते हुए इसको प्रोत्साहन देने की बात कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–ऊधम सिंह नगर, देहरादून, अल्मोड़ा, पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, नैनीताल, हरिद्वार एवं चम्पावत के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पादन में कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल–द्वितीय एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा।

प्रशिक्षण की जानकारी देते वैज्ञानिक।